नेशनल डेरी प्लान के अन्तर्गत उत्तराखण्ड के चार जिलों में उच्च आनुवांशिक योग्यता के होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड साड़ों का उत्पादन

होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड में संतति परीक्षण (प्रोजेनी टेस्टिंग) कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु विश्वस्तरीय कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं को पशुपालक के द्वार पर सुनिश्चित करने हेतु बुनियादी ढांचे के गठन की योजना।

भारत सरकार की नेशनल डेरी पलान का शुभारंभ 19 अप्रैल 2012 को किया गया। इस योजना का उद्देश्य योग्य वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से सुनियोजित तरीके से गाय की दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि कर उनका दुग्ध उत्पादन बढ़ाना तथा ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों को संगठित दुग्ध संकलन तथा प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) करने वाली संस्थाओ से जुड़ने के वृहद् अवसर उपलब्ध कराना है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश हे। वर्ष 2010-11 में भारत का कुल दुग्ध उत्पादन 12.18 करोड़ टन था । योजना आयोग के अनुमान के अनुसार, प्रति व्यक्ति आय में हुई वृद्धि से आहार में हुए परिर्वतन, बढ़ती हुई आबादी एवं शहरीकरण को देखते हुए 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) के अन्त तक भारत में लगभग 15.50 करोड़ टन तथा 2021-22 के अंत तक लगभग 20 करोड़ टन दूध की मांग होगी।

दूध की इस बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिये अगले 15 वर्षो में दूध उत्पादन की वार्षिक वृद्धि दर दोगुना करना आवश्यक है, जिसे प्राप्त करने के लिए एक प्रतिमान परिवर्तन (Paradigm Shift) की जरूरत है। अत: पशुओं की उत्पादकता वृद्धि हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित संतति परीक्षण (प्रोजेनी टेस्टिंग) कार्यक्रम द्वारा उच्च अनुवांशिक योग्यता के सांड़ो का उत्पादन क्षेत्रिय स्तर पर पशुपालकों की भागीदारी से कार्यान्वित करने की योजना है जिससे पशुओं के नियमित विकास में मदद होगी तथा कृत्रिम गर्भाधान हेतु उच्च गुणवत्ता के वीर्य की मांग पूरी होगी। राष्ट्रीय डेरी योजना के मिशन मिल्क की परिकल्पना देश में दुग्ध क्रांति की दिशा में एक कदम है। योजना के प्रथम चरण में बहुआयामी पहलों की श्रृंखलाएं 2012-2013 से शुरू होकर छ: वर्षो की अवधि तक कार्यन्वित की जानी है।

संतति परीक्षण कार्यक्रम

संतित परीक्षण कार्यक्रम में प्रजनन हेतु प्रयुक्त किये गये सांड़ो का मूल्यांकन उनसे उत्पन्न संतति के दुग्ध उत्पादन के आधार पर किया जाता है। मूल्यांकन के आधार पर सांड़ का उपयोग कृत्रिम गर्भाधान हेतु सांड़ उत्पन्न करने के लिये किया जाता है जिससे आने वाली पीढ़ियों में बेहतर दुग्ध उत्पादन की क्षमता सुनिश्चित की जा सकती है।

इस कार्यक्रम में प्रत्येक वर्ष एक निर्धारित संख्या में सांडों का परीक्षण किया जाता है। परीक्षण हेतु प्रत्येक सांड़ का पर्याप्त वीर्य (बीज) खुराको का उपयोग कृत्रिम गर्भाधान के लिए किया जाता है। इन कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न मादा पशुओं की पहचान निर्धारित करने के लिए उनके कान में विशिष्ट नम्बर का टैग लगाकर उनका पंजीकरण किया जाता है। हर परीक्षार्थी सांड़ के वीर्य से उत्पन्न कम से कम 80 से 100 पंजीकृत मादा पशुओं के सम्पूर्ण ब्यांत के दुग्ध उत्पादन का अभिलेखन (रिकार्डिंग) जिले के ज्यादा से ज्यादा गांवो में, साल के लगभग सभी महीनो में किया जाता है। संतति के दुग्ध के आधार पर उस सांड़ का मूल्यांकन कर उसकी ब्रीडिंग वैल्यू (प्रजनन मूल्य) निकाल कर परीक्षण किये गए सभी सांड़ो की (वरीयता) रैंकिग की जाती है। सर्वोत्तम 10 प्रतिशत सांड़ो का सर्वोत्तम 10 प्रतिशत मादा पशुओं के साथ प्रजनन कर उनसे उत्पन्न होने वाली नर संतति को पेरेंटेज परीक्षण (डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिग) तथा रोग मुक्त होने की जांच के पश्चात वीर्य उत्पादन के लिये चुना जाता है। ऐसे

चयनित गावों से नर बछड़ों को क्रय कर वीर्य उत्पादन केन्द्र भेज दिया जाता है। इन सांड़ो का उपयोग उच्च गुणवत्ता का वींय उत्पादन करने के लिये किया जाता है, जिसका उपयोग कृत्रिम गर्भाधान द्वारा आपके क्षेत्र में उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता के पशु पैदा करने के लिये किया जाता है। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहभागिता कर पशुपालक न केवल स्वयं के बल्कि सम्पूर्ण क्षेत्र के पशुओं की उत्पादकता वृद्धि में सहायता करते हैं।

होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड गाय की उत्पादता वृद्धि हेतु उत्तराखण्ड के चार जिलों देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल तथा ऊधमसिंहनगर में उत्तराखण्ड लाइवस्टाक डेवलपमेन्ट बोर्ड द्वारा होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड गायों की संतति परीक्षण कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखण्ड के चार जिले देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल तथा ऊधमसिंहनगर में 70-80 कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना की गयी है। प्रत्यक केन्द्र पर प्रशिक्षित एवं अनुभवी कृत्रिम गर्भाधानकर्ता का चयन किया गया। कृत्रिम गर्भाधान हेतु अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र श्यामपुर ऋषिकेश द्वारा उत्पादित उच्च आनुवांशिक योग्यता के सांड़ो के वीर्य का प्रयोग किया जा रहा है। इन केन्द्रों से कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं प्राप्त करने हेतु पशुपालकों को अपनी सभी होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड गायों का अपने नजदीकी चयनित कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता से पंजीकरण कराना होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत पशुओं के पंजीकरण हेतु सीमित अवधि के लिए निशुल्क पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। पंजीकरण के वक्त पशु की पहचान निर्धारित करने के लिये पशु के कान में 12 अंको का विशिष्ट नम्बर का टैग लगवाना अनिवार्य होगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत केवल पंजीकृत पशुओं को ही कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

योजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड के चार जिलो में उत्पन्न श्रेष्ठ होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड नस्ल के चयनित सांड़ो का पालन पोषण अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र श्यामपुर ऋषिकेश में किया जाएगा तथा उनसे उत्पादित उच्च गुणवत्ता के वीर्य का उपयोग राज्य में कृत्रिम गर्भाधान कार्य हेतु किया जाएगा। अतिरिक्त सांड़ो की आपूर्ति देश के अन्य वीर्य उत्पादन केन्द्रों को की जाएगी जिससे देश के अन्य क्षेत्रों में भी अच्छी गुणवत्ता के होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड पशुओं के उत्पादन में मदद मिलेगी। वक्त के साथ उत्तराखण्ड के चार जिले देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल तथा ऊधमसिंह नगर की पहचान होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड नस्ल के अच्छे पशुओं के उत्पादक जिलों के तौर पर होगी तथा देश के अन्य क्षेत्रों के पशुपालक होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड नस्ल के पशु खरीदने के लिए उत्तराखण्ड के उक्त जिलों की ओर आकर्षित होंगे। समय-समय पर भारत सरकार, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड तथा विश्व बैंक के विशेषज्ञ भी निरीक्षण हेतु उक्त जिलों का भ्रमण करेंगे और उक्त जिलों के होलस्टीन फ्रिजियन क्रास ब्रेड पशुओं को राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएंगे।

उत्तराखण्ड लाइवस्टाक डेवलपमेन्ट बोर्ड, पशुधन भवन

द्वितीय तल (बायीं विंग), मोथरोवाला रोड,

पो.ओ.- मोथरोवाला देहरादून 248001

Total Animal Reg-65924 · 65780 146